Today's Poem – 18.08.2014

बाबा हम बच्चों की सद्गति करते

प्रकृति और माया की गुलामी से छुड़ाते

विश्व का मालिक बनाते

बाप जो सुनाते हैं, वही सुनना

अनराइटियस बात को न सुनना, न बोलना, न देखना

पढ़ाई अच्छी रीति पढ़कर अपने को राजाओं का राजा बनाना

इस पुराने शरीर और पुरानी दुनिया में अपने को टैम्पेरी समझना

संगमयुग स्मृति का युग

कलयुग विस्मृति का युग

सदा दिल में यही गीत बजता रहे वाह मेरा श्रेष्ठ भाग्य

वाह मैं खुशनसीब आत्मा

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!